किसी सभ्यता की श्रेष्ठता का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है - लोक सभा अध्यक्ष

जेनेवा (स्विट्ज़रलैंड), 13 अक्तूबर, 2014 : लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने 'महिला-पुरुष समानता का लक्ष्य प्राप्त करना, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाप्त करना" विषय पर जेनेवा में आयोजित अंतर-संसदीय संघ की 131 वीं सभा को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं समाज का आधार होती हैं और किसी सभ्यता की श्रेष्ठता का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। उन्होंने समाज में चिरस्थायी शान्ति और समृद्धि के लिए सभी प्रकार की लिंग आधारित असमानताओं और हिंसा को समाप्त करने के लिए संयुक्त प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अंतर संसदीय संघ के सदस्य देशों द्वारा की गई उदार पहलों की सराहना करते हुए, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की अध्यक्ष ने कहा कि परंपरागत सोच बदलने तथा महिलाओं और पुरुषों को समान समझने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय संसदें जनता के सर्वोच्च प्रातिनिधिक निकाय हैं और महिलाओं के उत्थान में मदद देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त संस्थाएं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अनुकूल वातावरण पैदा करने में भारतीय कानून और नीतियां सहायक रही हैं। महिलाओं को वयस्क मताधिकार देने में अग्रणी होने के नाते भारत संसद और विधान सभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई पदों के आरक्षण के प्रावधान के लिए सक्रियता से कार्य कर रहा है।